CURRICULAM ENRICHMENT

CROSS-CUTTING ISSUES

Subject-Hindi (Under Graduate Course)

NEP-2020

PROGRAMME NAME	COURSE NAME &CODE	DESCRIPTION	GE	H V	PE	ENV. & SUST. DE.	Any other issue	LINK FOR SYLLABUS
B.A.	साहित्य की अवधारणा एवं विविध विधाएं DSC-I	1.साहित्य का प्रयोजन -इस टॉपिक के माध्यम से विद्यार्थियों को लैंगिक समानता के सम्बन्ध में साहित्य की भूमिका और महत्व से परिचित कराया जाता है । 2.साहित्य और मानव जीवन का अन्तःसम्बन्ध- मानवीय मूल्यों के महत्व और उपयोगिता का ज्ञान कराया जाता है,साथ ही साहित्य जीवन के हर क्षेत्र में नैतिकता के महत्व का बोध कराया जाता है । 3.साहित्य और पर्यावरण -पर्यावरण के महत्त्व और उसके संरक्षण में विद्यार्थियों की भूमिका से परिचित कराया जाता है ।	✓	✓	✓	✓		
	आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता	अमीर खुसरो के गीत : काहे को ब्याहे विदेश इस गीत के माध्यम से विद्यार्थी को आदिकालीन समाज में स्त्री की दशा और पीड़ा तथा समाज में व्याप्त लैंगिक विभेद की स्थिति और कारणों से परिचित कराया जाता है । नागमती वियोग खंड पति के विरह में नागमती की स्थिति के वर्णनं के माध्यम से कवि सामन्ती समाज में स्त्री की स्थिति तथा उसके जीवन के प्रत्येक कार्य-व्यापार के पुरुष-आश्रित होने का विशद वर्णन करता है ,जिसके माध्यम से विद्यार्थी मध्यकालीन स्त्री -जीवन की पति पर पूर्ण -निर्भरता का विश्लेषण करने में सक्षम हो पाते हैं ।	✓	✓		✓		

	आधुनिक हिन्दी कविता (छायावाद तक) DSC HIN-03	1-हरी हुई सब भूमि कविता के माध्यम से प्राकृतिक सौन्दर्य और हमारे जीवन में प्रकृति के महत्व को दर्शाया गया है । 2- दुनिया में हाथ पैर हिलाना नहीं अच्छा कविता देश व देश निर्माण हेतु आलस्य त्यागने का सन्देश देती है । 3-हरिऔध की कर्मवीर कविता साहसी बनने, कर्तव्य पथ पर चलने व धर्म और विज्ञान के क्षेत्र में उन्नति का सन्देश देती है । 4-साकेत अष्टम सर्ग भारतीय स्त्री के त्याग के साथ उसकी स्वतंत्रता और प्रकृति के साथ तादात्म्य का अनुपम उदाहरण है । विद्यार्थी यहाँ नए जीवन दर्शन से परिचित होते हैं । 5- छायावाद के दो महान कवियों जयशंकर प्रसाद और सुमित्रानंदन पन्त की कविताओं का अध्ययन कर विद्यार्थी रोमांटिसिज्म के साथ जीवन और प्रकृति के अन्तः सम्बन्ध से परिचित होते हैं । यहाँ प्रकृति भी है प्रेम भी है जीवन का सार भी है 6-महाकवि निराला की **बादल राग** कविता क्रांति का सन्देश देते हुए अंतिम व्यक्ति की आवाज़ को मुखर करती है, यहाँ प्रकृति गरीब की हितैषी के रूप में आती है , **बांधों न नाव इस ठांव बंधु** गीत एक स्त्री के जीवन की मार्मिकता और विडम्बना को रेखांकित करती है । 7-महादेवी की कविता-**जाग तुझको दूर जाना** भारतीय समाज में स्त्री मुक्ति का प्रतिनिधि हस्ताक्षर है । उनकी अन्य कवितायेँ जिन्हें हम समन्यतः विरह कविता समझ लेते हैं उनमें स्त्री की सामाजिक दशा की व्यथा छिपी है । प्रेम में अकेले होना उसका चुनाव है । भारतीय जमीन पर स्त्री मुक्ति का ऐसा स्वर दूसरा नहीं है ।	✓ ✓ ✓	✓ ✓ ✓ ✓	✓	✓ ✓ ✓		
	हिन्दी निबंध एवं कथेतर गद्य DSC HIN-04	1-हिन्दी निबंध का विकास भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन के प्रचार-प्रसार से जुड़ा हुआ, इस विधा ने बड़े पैमाने पर भारतीय जनता को जागरूक करने के साथ उसके अन्दर आपसी फूट की जगह प्रेम, सौहार्द का प्रसार किया । इस विधा ने धर्म, विज्ञान, मानवीय मूल्य, स्त्री मुक्ति के	✓	✓	✓	✓		

		साथ प्रकृति से जुडाव हेतु सामाजिक सन्देश देने का महती कार्य किया । स्वतंत्रता समानता भाईचारा जैसे मूल्य इसके केंद्र में रहे । 2- मजदूरी और प्रेम निबंध में लेखक श्रम के महत्व को स्थापित करने के साथ कर्ममय जीवन का सन्देश देता है जो कि गांधी के स्वतंत्रता आन्दोलन का यह प्रमुख तत्व रहा है । 3- श्रद्धा-भक्ति निबंध के माध्यम से शुक्ल जी सामाजिक समीक्षा करते दिखाई देते हैं । वे सामाजिक व व्यावसायिक नैतिकता के विरुद्ध स्वार्थमय आचारण की निंदा करते हैं 4-ठकुरी बाबा रेखाचित्र में महादेवी ने ग्रामीण यथार्थ का चित्रण करते हुये, मानवीय सहानुभूति, कर्मठता, करुणा और जीवन राग को गहराई से अंकित किया है । इस रेखा चित्र में स्वार्थ, संघर्ष, प्रकृति, स्त्री, मानवीयता आदि विषयों को बहुत ही संवेदनशीलता से उकेरा गया है 5-बेईमानी की परत निबंध एक व्यंग्य है जो हमरे समाज में गहरे धसी बेईमानी की प्रवृत्ति को रेखांकित करती है साथ ही यह प्रोफेशनल एथिक्स के आभाव पर भी सवाल खड़े करती है । 6-ऋण जल धन जल (कुत्ते की आवाज़) पटना में आई भयानक बाढ़ का रिपोतार्ज है. प्राकृतिक प्रकोप और उससे घिरे मानव जीवन की कथा कहते हुए रेणु आम आदमी के जीवन सुख-दुःख, मानवीय मूल्य आदि को पूरी मार्मिकता के साथ उकेरते हैं ।	✓	✓ ✓ ✓ ✓	✓ ✓ ✓	✓		
	हिन्दी साहित्य का इतिहास : रीतिकाल	हिन्दी साहित्य का इतिहा : 'रेमंड ऐरन' ने कहा है, "इतिहास अपने संकुचित रूप में मानव के भूतकला का विज्ञान है, अपने व्यापक रूप में यह धरती, आकाश, नक्षत्रों जीवों तथा सम्यता के विकास का अध्ययन है, ठोस रूप में	✓	✓	✓	✓		

	तक DSC HIN-05	इतिहास का तात्पर्य तथ्य से है तथा अपने औपचारिक अर्थ में यह उस तथ्य का ज्ञान । साहित्य के इतिहास का अध्ययन करते हुए विद्यार्थी व्यापक रूप से सामाजिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक परिस्थितयों के साथ विभिन्न सामाजिक मुद्दों जैसे धर्म, जाति, मानवीय मूल्य, प्रकृति, जेंडर, नैतिकता आदि से व्यापक रूप से परिचित होते हैं ।						
	हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक कल तक DSC HIN-06	हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल साहित्य की विविध विधाओं के जन्म के साथ व्यापक राष्ट्रीय मुक्ति आन्दोलन को मुखरित करता है । स्वतंत्रता, समानता, बन्धुत्त्व जैसे मूल्यों की स्थापना के साथ जाति-प्रथा उन्मूलन, विधवा-विवाह, सामाजिक पाखंड का विरोध, स्त्री समानता, श्रम का महत्व, मानवाधिकार आदि इसके व्यापक सरोकार रहे हैं । इस खंड के अध्ययन से विद्यार्थी न सिर्फ नवजागरण के मूल्यों से परिचित होते हैं वरन दलित ,स्त्री, आदिवासी आदि विमर्शों के आलोक में दुनिया को देखने की नई दृष्टि अर्जित करते हैं ।	✓	✓	✓	✓		
			✓	✓	✓	✓		
			✓	✓	✓	✓		
	रचनात्मक लेखन GE HIN-01	1-रचनात्मक लेखन संवेदना से जुड़ा कार्य है। इस लेखन के केंद्र में प्रकृति से लेकर सम्पूर्ण प्राणिजगत निहित है । इस पेपर के अध्ययन से छात्र पर्यावरण, मानवीय मूल्य, नैतिकता, कर्तव्य आदि के साथ जातीय-लैंगिक विभेद से जुड़े विमर्शों से परिचित होते हैं । 2-पाठ्यक्रम में शामिल प्रेमचंद की कहानी बड़े भाई साहब भारतीय समाज में संबंधों की बुनावट के साथ शिक्षा व्यवस्था पर सवाल करती है । साथ ही कर्तव्य का बोध कराती है । वहीँ नागार्जुन की कविता अकाल और उसके बाद में जीवन का छंद निहित है । शिशु कविता बाल मनोविज्ञान से परिचय कराती है 3-फीचर लेखन के माध्यम से विद्यार्थी सामाजिक आर्थिक सांस्कृतिक ,विज्ञान, खेलकूद और पर्यावरण से जुड़े मुद्दों	✓	✓ ✓	✓ ✓	✓		

		को गहराई से समझते हुए उसे अपने लेखन में शामिल करने योग्य बनते हैं 5- साक्षात्कार एक बहुविषयक विधा है जिसमें समाज के हर क्षेत्र से जुड़े सामयिक प्रश्नों को शामिल करना सिखाया जाता है साथ ही इतिहास को भी पर्याप्त महत्व दिया जाता है	✓ ✓	✓ ✓	✓ ✓	✓ ✓		
	साहित्य और सिनेमा GEC HIN -02	1-सिनेमा एक ऐसा कला माध्यम है जिससे कोई भी विषय अछूता नहीं है । सिनेमा की सामाजिक भूमिका के अंतर्गत विद्यार्थी लैंगिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, राष्ट्रीय, नैतिक, पर्यावरणीय आदि सभी पहलुओं से परिचित होते हैं । 2-अछूत कन्या की समीक्षा के अंतर्गत जातीय विभेद और लैंगिक विमर्श मुख्य रूप से सामने आते हैं इसी तरह मदर इण्डिया, नया दौर, तीसरी कसम गर्म हवा, तारे जमीं पर, रश्मि रॉकेट और आर्टिकल 15 जैसी फिल्मो की समीक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों को मानवीय मूल्य, सामाजिक विषमता, बाल मनोविज्ञान, लैंगिक विमर्श, जातीय विभेद जैसे सामाजिक मुद्दों की बारीकियों से परिचित कराया जाता है ।	✓ ✓	✓ ✓	✓	✓		
	अनुवाद :सिद्धांत और प्राविधि GE	अनुवाद को सांस्कृतिक सेतु की संज्ञा दी जाती । दुनिया भर के ज्ञान-विज्ञान के प्रसार में इसकी महती भूमिका है । 1- 'पिता के पत्र पुत्री के नाम' के अध्ययन के द्वारा विद्यार्थी मानवीय मूल्यों, प्राकृतिक रहस्यों और प्रोफेशनल एथिक्स से परिचित होते है । 2- विश्वप्रपंच की भूमिका के अध्ययन से पता चलता है कि सच्चे ज्ञान का आभास प्रकृति से ही मिल सकता है । इस पुस्तक के अध्यन से प्रकृति, दर्शन, विज्ञान, ईश्वर आदि विषयों पर विशद चर्चा की गई है ।	✓	✓ ✓	✓	✓ ✓		
	जनसंचार माध्यम	संचार माध्यमों के लिए लेखन बहुविषयक होता है ।						

	और लेखन GE HIN	1- संपादन के सिद्धांत, समाचार लेखन के नियम, पत्रकारिता में निहित मूल्य मुद्दों के अंतर्गत विद्यार्थी प्रोफेशनल एथिक्स और मानवीय मूल्यों की महत्ता से परिचित होते हैं ।		✓	✓			
	हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता GE HIN	साहित्यिक पत्रकारिता मूल्यनिष्ठ पत्रकारिता का सर्वश्रेष्ठ उदहारण है । 1- भारतेन्दुयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता में विद्यार्थी नवजागरण कालीन मूल्यों से अवगत होते हैं साथ हीत त्कालीन समाज में देशभक्ति, स्त्री समस्या, जाति समस्या आदि का अध्ययन करते हैं । 2- छायावाद युगीन साहित्यिक पत्रकारिता स्वतंत्रता संघर्ष, बाल-विवाह, विधवा-विवाह के साथ ज्ञान-विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों से संचालित रही है । पूंजीवादी जीवन-पद्धति की जगह प्रकृति का साहचर्य उसका मुख्य सरोकार रहा है । 3- सरस्वती नवजागरण के अलोक मानवीय मूल्यों को स्थापित करने वाली पत्रिका रही है ।चाँद और माधुरी पत्रिकाएं दलित स्त्री विषयक मुद्दों को उठाने के लिए जानी जाति हैं ।	✓ ✓ ✓	✓ ✓ ✓		✓		
	हिन्दी नाटक एवं एकांकी DSE HIN -1	1- अंधेरनगरी -लालच और भोग की संस्कृति पर व्यंग्य करते हुए राज्य के सन्दर्भ में प्रोफेशनल एथिक्स के आभाव को रेखांकित करती है 2- ध्रुवस्वामिनी नाटक स्त्री की यौनिक स्वतंत्रता और प्रेम की आजादी पर लिखा गया हिन्दी का पहला नाटक है । स्त्री-पुरुष समानता, चयन का अधिकार इसके मूल में है । 3- अषाढ़ का एक दिन सत्ता की चमक में एक कवि के पतित हो जाने के स्त्री की समस्या को बहुत मार्मिकता से उठाती है । इसका प्रकृति चित्रण भी मनमोहक है	✓ ✓	✓ ✓	✓	✓		

	हिन्दी कहानी DSE HIN -2	1- उसने कहा था' एक मार्मिक प्रेमकहानी है जो प्रेम के उच्चतम आदर्श त्याग को दिखाती है । 2- आकाशदीप प्रेम और घृणा के द्वंद्व से जूझती स्त्री की कहानी है । इस कहानी की खास विशेषता स्त्री के निर्णय अधिकार व स्वातंत्र्य चेतना है 3- मृतक भोज एक ऐसी कहानी है जो पितृसत्तात्मक समाज में मानवीय मूल्यों का क्षरण दिखाती है । यह कहानी समाज में विधवा और बेसहारा स्त्री के संघर्ष को रेखांकित करती हुई पितृसत्ता के जाल को उद्‌घाटित करती है । 4- पाजेब कहानी दिखाती है कि कैसे हम किसी की हैसियत देखकर उसके प्रति व्यवहार करते हैं । गरीब व्यक्ति को आसानी से चोर मान लेते हैं । 5- सिक्का बदल गया कहानी विभाजन की त्रासदी को रेखांकित करते हुए बताती है कि इंसान बने रहना कितना कठिन है 6- कोसी का घटवार एक अधूरी प्रेमकहानी है जो फ्लैशबैक शैली में चलती है । एक स्त्री को समाज की मर्यादा विवाह के लिए विवश करती है । 7- जिन्दगी और जोंक कहानी में मानवीय मूल्यों का क्षरण दिखाई पड़ता है ।	✓ ✓ ✓	✓ ✓ ✓ ✓ ✓				
	हिन्दी उपन्यास DSE HIN- 3	1- निर्मला' उपन्यास में निर्मला के परिचय से लेकर दहेज के कारण विवाह की बात टूटने, अनमेल विवाह होने, विवाहोपरांत अनेक दुखदायी घटनाएं, लड़की का पैदा होना, और अंत में मृत्यु को प्राप्त हो जाना आदि मुख्य कथा के हीं अंतर्गत आती हैं । इस उपन्यास के अध्ययन से विद्यार्थी भारतीय समाज में लैंगिक असमानता की स्थिति को समझ	✓					

		सकते है 2- जैनेन्द्र का उपन्यास हिन्दी साहित्य जगत में एक एक बड़ी हलचल पैदा करता है क्योंकि इसकी नायिका मृणाल अपने जीवन में इस भारतीय समाज के रीति-नीतियों से समझौता नहीं करती है, बल्कि अपने तरीके से जीवन जीने का फैसला करती है । इस उपन्यास के अध्ययन से विद्यार्थी जेंडर, मानवीय मूल्य और प्रोफेशनल एथिक्स के मुद्दों को गहरे से समझने में सक्षम होते हैं 3- महाभोज उपन्यास लिखने की प्रेरणा के मूल में 1977 में बिहार के 'बेलछी गाँव' का सामूहिक दलित हत्याकांड था। यह समय दलित चेतना की विकास का था, जब इस वर्ग के कुछ लोग अपना हक मांगने लगे तो सामन्ती तत्वों ने उनका सामूहिक नरसंहार कर दिया था । यह उपन्यास भारतीय राजनीति के वास्तविक चरित्र को भी उदघाटित करता है । 4- ग्लोबल गाँव के देवता उपन्यास आदिवासी के जल,जंगल,जमीन के संघर्ष को स्वर देता है तथा पूंजीवादी लूट का पर्दाफाश करता है । इस उपन्यास में आदिवासी स्त्रियों के शोषण को बहुत मार्मिकता से दर्ज किया गया है	✓ ✓	✓ ✓ ✓	✓ ✓	✓		
	छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य DSE HIN-04	1- इस प्रश्न-पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी छत्तीसगढ़ के साहित्य संस्कृति को जान सकेंगे । यहाँ कि कविताओं में सहज जीवन के मूल्य निहित हैं ।		✓				

CURRICULAM ENRICHMENT

CROSS-CUTTING ISSUES

Subject-Hindi (Under Graduate Course)

Old Course

PROGRAMME NAME	COURSE NAME &CODE	DESCRIPTION	GE	H V	PE	ENV. & SUST. DE.	Any other issue	LINK FOR SYLLABUS
B.A. I SEM	आधार पाठ्यक्रम – हिन्दी भाषा HIN102	1.ईदगाह (कहानी), भोलाराम का जीव (व्यंग्य) , **शिकागो से स्वामी विवेकानंद का पत्र**, **सामाजिक गतिशीलता** – इन इकाइयों के माध्यम से विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों, संवेदनाओं, कर्तव्यों, समाज में व्याप्त कुरीतियों का मानव जीवन पर प्रभाव, महिला-पुरुष का समाज में स्थान एवं समाज की गतिशीलता का ज्ञान कराया जाता है I 2.भारत वंदना (कविता)– इस कविता के माध्यम से विद्यार्थियों में देशभक्ति एवं पर्यावरण के महत्त्व से परिचित कराया जाता है ।	✓	✓		✓		
B.A. I SEM	हिन्दी साहित्य (प्राचीन हिन्दी काव्य) HIN101	कबीर, जायसी, सूर, तुलसी, घनानंद – इन कवियों की कविताओं के माध्यम से विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों के महत्व और उपयोगिता का ज्ञान विकसित होता है । विद्यार्थी तत्कालीन समाज में स्त्रियों की दशा और उसके कारणों से परिचित होते हैं साथ ही पर्यावरण के महत्त्व	✓	✓		✓		

		का ज्ञान प्राप्त होता है।						
B.A. II SEM	हिन्दी साहित्य (हिन्दी कथा साहित्य) HIN201	**गबन**, **कफन**, **आकाशदीप**, **परदा**, **ठेस**, **मलबे का मालिक**, **चीफ की दावत**, **जली हुई रस्सी** – इन कहानियों और उपन्यासों के माध्यम से विद्यार्थी मानवता, जीवन की यथार्थता, जीवन की गतिशीलता, वृद्धों के प्रति प्यार, सम्मान की भावना रखना, स्त्रियों का सम्मान, मानवीय भावनाओं का अंतर्द्वंद्व, जन्मभूमि के प्रति प्रेम और समर्पण , आपसी भाईचारा जैसे नैतिक और मानवीय मूल्यों को समझ सकेंगे I	☑	✓		✓		
B.A. III SEM	आधार पाठ्यक्रम – हिन्दी भाषा HIN302	**चोरी और प्रायश्चित**, **युवकों का समाज में स्थान**, **डॉ. खूबचंद बघेल**, **सम्भाषण कुशलता** – इन निबंधों के माध्यम से विद्यार्थियों में व्यवहारिक कुशलता , सद्गुणों का विकास हो पायेगा I **मातृभूमि** – इस कविता के माध्यम से विद्यार्थियों में देशभक्ति एवं पर्यावरण के महत्त्व से परिचित कराया जाता है ।		✓		✓		
B.A. III SEM	हिन्दी साहित्य (अर्वाचीन हिन्दी काव्य) HIN301	**तोड़ती पत्थर**, **मैं बेच रही हूँ दही** – इन कविताओं के माध्यम से विद्यार्थी समाज में स्त्री की दशा और पीड़ा तथा लैंगिक विभेद की स्थिति और कारणों से परिचित होते हैं I **बादल**, **भारत माता**, **सबेरे उठा तो धूप खिली थी** – इन कविताओं के माध्यम से विद्यार्थियों को देशभक्ति एवं पर्यावरण के महत्त्व से परिचित कराया जाता है ।	☑	✓		✓		
B.A. IV SEM	हिन्दी साहित्य (हिन्दी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं) HIN401	**अंधेर नगरी** – इस नाटक के माध्यम से विद्यार्थी मानव स्वभाव, मानव की मानसिकता, सद्गुण-अवगुण का ज्ञान प्राप्त करते हैं I **बेईमानी की परत**, **क्रोध** – इन निबंधों के माध्यम से विद्यार्थी समाज में व्याप्त बुराइयों से परिचित होते हुए सही गलत का चुनाव करने का गुण विकसित कर सकेंगे I **मम्मी ठकुराइन** – इस एकांकी के माध्यम से विद्यार्थी समाज में स्त्री की दशा और पीड़ा तथा लैंगिक विभेद की	☑	✓				

		स्थिति और कारणों से परिचित होकर इसे दूर करने के उपाय खोजने का प्रयास कर सकेंगे I						
B.A. V SEM	हिन्दी भाषा HIN502	**भारत माता** - इस कविता के माध्यम से विद्यार्थियों में देशभक्ति एवं पर्यावरण के महत्त्व से परिचित कराया जाता है । **सूखी डाली** - इस एकांकी के माध्यम से विद्यार्थियों में पारिवारिक एवं मानवीय मूल्यों के महत्व और उपयोगिता का ज्ञान विकसित होता है ।		✓		✓		
B.A. V SEM	हिन्दी साहित्य जनपदीय भाषा - साहित्य (छत्तीसगढ़ी) HIN501	**सीख-सीख के गोठ** - इस पाठ के माध्यम से विद्यार्थियों में पारिवारिक, सामाजिक एवं मानवीय मूल्यों के महत्व और उपयोगिता का ज्ञान विकसित होता है । **तय उठ्थस सुरुज उथे** - डॉ. विनय पाठक कि इन कविताओं के माध्यम से विद्यार्थी अपने देश के गांवों, किसानों, खेत-खलिहानों का पर्यावरण में योगदान को समझ सकेंगे I		✓		✓		
B.A. V SEM	हिन्दी साहित्य (हिन्दी भाषा - साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग विवेचन)	**हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, पूर्व मध्यकाल, उत्तर मध्यकाल, आधुनिक काल)** - मानवीय मूल्यों के महत्व और उपयोगिता का ज्ञान कराया जाता है । तत्कालीन समाज में स्त्रियों की दशा उसकी पीड़ा और उसके प्रति समाज की नकारात्मक सोच व दोहरी मानसिकता तथा उसके कारणों का ज्ञान कराया जाता है । पर्यावरण के महत्त्व का ज्ञान प्राप्त होता है।	☑	✓		✓		

CURRICULAM ENRICHMENT

CBCS

CROSS-CUTTING ISSUES

Subject-Hindi

PROGRAMME NAME	COURSE NAME &CODE	DESCRIPTION	GE	HV	PE	ENV. & SUST. DE.	Any other issue	LINK FOR SYLLABUS
M.A. FIRST SEMESTER	हिन्दी साहित्य का इतिहास	इकाई-1 1.आदिकालीन साहित्य व विद्यापति की पदावली –आदिकालीन साहित्य के माध्यम से विद्यार्थियों को मानव मूल्य तथा उसकी महत्व व उपयोगिता का ज्ञान प्राप्त होता है। साथ ही तत्कालीन समाज में स्त्री की दशा उसकी पीड़ा और उसके प्रति समाज की नकारात्मक सोच व दोहरी मानसिकता तथा उसके कारणों का ज्ञान कराया जाता है।	✓	✓				
M.A. FIRST SEMESTER	हिन्दी साहित्य का इतिहास	इकाई-2 2.भक्तिकालीन साहित्य – मानवीय मूल्यों के महत्व और उपयोगिता का ज्ञान कराया जाता है ।तत्कालीन समाज में स्त्रियों की दशा और उसके कारणों से परिचित होते हैं। पर्यावरण के महत्त्व का ज्ञान प्राप्त होता है।	✓	✓		✓		
M.A. FIRST SEMESTER	हिन्दी साहित्य का इतिहास	इकाई-3 रीतिकाल- हिन्दी साहित्य के इस काल के अध्ययन माध्यम से तत्कालीन समाज में स्त्रियों को भोग्या मानने की सामंतवादी सोच तथा उसके कारण स्त्री जीवन में उपजी पीड़ा तथा दयनीय व सोचनीय दशा का परिचय मिलता है।	✓					
M.A. FIRST SEMESTER	हिन्दी साहित्य का इतिहास	इकाई-4 भारतेंदु एवं द्विवेदी युगीन साहित्य -भारतेंदु एवं द्विवेदी युगीन साहित्य (उपन्यास, कहानी , नाटक, निबंध) व पत्र – पत्रिकाओं के अध्ययन के माध्यम से मानव मूल्यों का परिचय मिलता है तथा उसके महत्व का ज्ञान होता है। तत्कालीन समाज में व्याप्त लैंगिक भेद तथा स्त्री के त्रासदपूर्ण जीवन और उसके कारणों का ज्ञान होता है।	✓	✓				

M.A. FIRST SEMESTER	हिन्दी साहित्य का इतिहास	इकाई-5 छायावाद, प्रगतिशील साहित्य एवं प्रयोगवाद इस समय के साहित्य के माध्यम से मानवीय मूल्यों का परिचय मिलता है। समाज में स्त्री की दशा और पीड़ा तथा लैंगिक विभेद की स्थिति और कारणों से परिचित कराया जाता है । पर्यावरण के सरंक्षण और उसके महत्त्व से परिचित कराया जाता है।	✓	✓		✓		
M.A. FIRST SEMESTER	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य - प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्यके माध्यम से विद्यार्थियों को मानव मूल्य तथा उसकी महत्ता व उपयोगिता का ज्ञान प्राप्त होता है। साथ ही तत्कालीन समाज में स्त्री की दशा उसकी पीड़ा और उसके प्रति समाज की नकारात्मक सोच व दोहरी मानसिकता तथा उसके कारणों का ज्ञान कराया जाता है। लिंग भेद के साथ-साथ वर्ग भेद, वर्ण भेद आदि के दुष्परिणामों से परिचित होकर चिंतन एवं विश्लेषण करने में सक्षम होते हैं। पर्यावरण तथा उसके संरक्षण के महत्त्व से परिचित होते हैं।	✓	✓		✓	✓	
M.A. FIRST SEMESTER	हिन्दी भाषा एवं भाषा विज्ञान	हिन्दी भाषा एवं भाषा विज्ञान हिन्दी भाषा का ज्ञान प्राप्त होता है। राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति से परिचित होते हैं।			✓		✓	
M.A. FIRST SEMESTER	सामाजिक अधिगम और कौशल विकास				✓		✓	

M.A. FIRST SEMESTER	संत कवि कबीरदास	संत कवि कबीरदास कबीर के दोहों के माध्यम से मानवीय मूल्यों से परिचित होते हैं। तत्कालीन समाज में व्याप्त वर्ग भेद, वर्णभेद, लिंगभेद आदि विकृतियों से अवगत होकर उसके कारणों का विश्लेषण करने में सक्षम होते हैं। प्रकृति तथा पर्यावरण के संरक्षण के महत्त्व से परिचित होते हैं।	✓	✓		✓	✓	
M.A. SECOND SEMESTER	आधुनिक काव्य	आधुनिक काव्य तत्कालीन साहित्य के माध्यम से मानवीय मूल्यों का परिचय मिलता है। समाज में स्त्री की दशा और पीड़ा तथा लैंगिक विभेद की स्थिति और कारणों से परिचित कराया जाता है । पर्यावरण के सरंक्षण और उसके महत्त्व से परिचित कराया जाता है।		✓		✓	✓	
M.A. SECOND SEMESTER	कथा साहित्य	उपन्यास, कहानी उपन्यास ,कहानी के माध्यम से मानवीय मूल्यों का ज्ञान मिलता है तथा उसकी समझ विकसित होती है । समाज में स्त्री की दशा और पीड़ा तथा लैंगिक विभेद की स्थिति और कारणों से परिचित कराया जाता है		✓		✓	✓	

		। पर्यावरण के सरंक्षण और उसके महत्त्व से परिचित कराया जाता है।						
M.A. SECOND SEMESTER	स्वातंत्रयोत्तर हिन्दी काव्य	स्वातंत्रयोत्तर हिन्दी काव्य इस पाठ्यक्रम के माध्यम से मानवीय मूल्यों का परिचय मिलता है। समाज में स्त्री की दशा और पीड़ा तथा लैंगिक विभेद की स्थिति और कारणों से परिचित कराया जाता है । पर्यावरण के सरंक्षण और उसके महत्त्व से परिचित कराया जाता है।		✓		✓	✓	